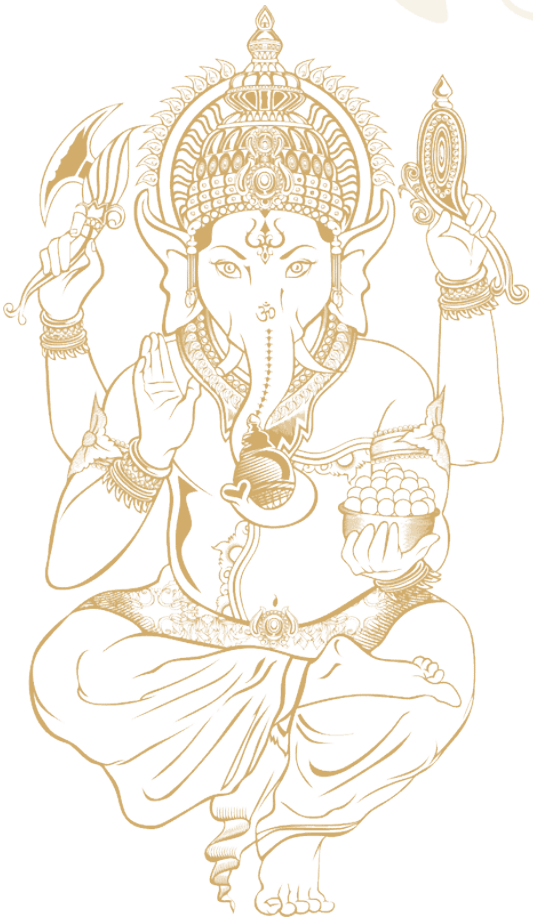

???

07 Feb 1988

09:07 PM

Bilaspur

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/02/1988**
दिन	रविवार
जन्म समय	**21:07:00 घंटे**
इष्ट	34:47:26 घटी
स्थान	**Bilaspur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:18:00 उत्तर
रेखांश	76:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:44:12 घंटे
वेलान्तर	-00:14:09 घंटे
साम्पातिक काल	05:52:09 घंटे
सूर्योदय	07:12:01 घंटे
सूर्यास्त	18:02:09 घंटे
दिनमान	10:50:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:23:12 मकर
लग्न के अंश	04:36:53 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	धृति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:36:53	311:21:10	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			मक	24:23:12	01:00:47	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	16:20:11	12:05:24	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	26:22:03	00:40:18	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	स्वराशि
बुध	व	अ	कुंभ	01:46:12	00:54:50	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			मेष	00:43:58	00:09:32	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	04:03:25	01:11:27	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि			धनु	05:45:08	00:05:28	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	29:45:09	00:01:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	29:45:09	00:01:33	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	05:59:37	00:02:42	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप			धनु	15:25:52	00:01:52	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	18:52:44	00:00:15	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	04:30:24	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:30

लग्न-चलित

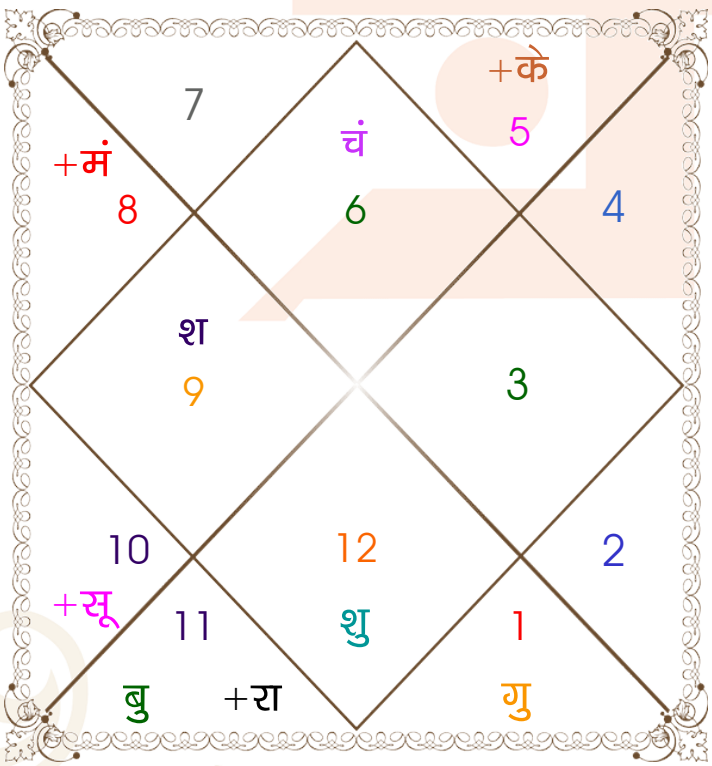

चन्द्र कुंडली

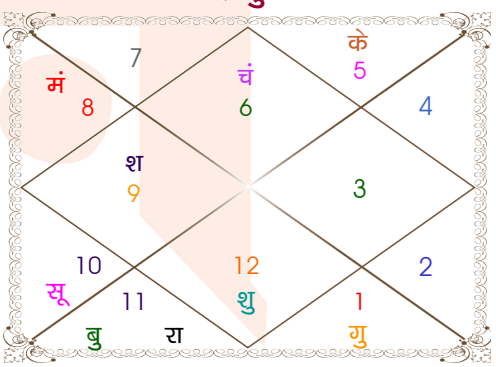

नवमांश कुंडली

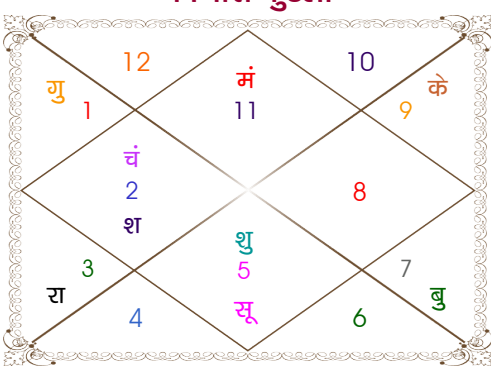

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 2 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/02/1988		08/05/1993		08/05/2000		08/05/2018		08/05/2034	
08/05/1993		08/05/2000		08/05/2018		08/05/2034		08/05/2053	
	00/00/0000	मंगल	04/10/1993	राहु	19/01/2003	गुरु	26/06/2020	शनि	11/05/2037
	00/00/0000	राहु	23/10/1994	गुरु	14/06/2005	शनि	07/01/2023	बुध	19/01/2040
	00/00/0000	गुरु	29/09/1995	शनि	20/04/2008	बुध	14/04/2025	केतु	27/02/2041
	07/02/1988	शनि	06/11/1996	बुध	07/11/2010	केतु	21/03/2026	शुक्र	29/04/2044
शनि	08/03/1989	बुध	04/11/1997	केतु	25/11/2011	शुक्र	19/11/2028	सूर्य	11/04/2045
बुध	08/08/1990	केतु	02/04/1998	शुक्र	25/11/2014	सूर्य	07/09/2029	चंद्र	10/11/2046
केतु	09/03/1991	शुक्र	02/06/1999	सूर्य	20/10/2015	चंद्र	07/01/2031	मंगल	20/12/2047
शुक्र	06/11/1992	सूर्य	08/10/1999	चंद्र	20/04/2017	मंगल	14/12/2031	राहु	26/10/2050
सूर्य	08/05/1993	चंद्र	08/05/2000	मंगल	08/05/2018	राहु	08/05/2034	गुरु	08/05/2053

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/05/2053		08/05/2070		08/05/2077		08/05/2097		10/05/2103	
08/05/2070		08/05/2077		08/05/2097		10/05/2103		00/00/0000	
बुध	05/10/2055	केतु	04/10/2070	शुक्र	07/09/2080	सूर्य	26/08/2097	चंद्र	09/03/2104
केतु	01/10/2056	शुक्र	05/12/2071	सूर्य	07/09/2081	चंद्र	24/02/2098	मंगल	08/10/2104
शुक्र	02/08/2059	सूर्य	10/04/2072	चंद्र	09/05/2083	मंगल	02/07/2098	राहु	09/04/2106
सूर्य	07/06/2060	चंद्र	10/11/2072	मंगल	08/07/2084	राहु	27/05/2099	गुरु	09/08/2107
चंद्र	07/11/2061	मंगल	08/04/2073	राहु	08/07/2087	गुरु	15/03/2100	शनि	08/02/2108
मंगल	04/11/2062	राहु	26/04/2074	गुरु	08/03/2090	शनि	25/02/2101		00/00/0000
राहु	23/05/2065	गुरु	02/04/2075	शनि	08/05/2093	बुध	02/01/2102		00/00/0000
गुरु	29/08/2067	शनि	11/05/2076	बुध	08/03/2096	केतु	09/05/2102		00/00/0000
शनि	08/05/2070	बुध	08/05/2077	केतु	08/05/2097	शुक्र	10/05/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।